दौलताबाद किला

[स्रोत: द हिंदू]

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर ज़िले में दौलताबाद किले में लगी आग के बाद [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)] ने हुई क्षति का आकलन शुरू कर दिया है।

- **महत्त्व:** मूल रूप से **इसे देवगिरि (देवताओं की पहाड़ी)** कहा जाता था। **14वीं** शताब्दी में [मुहम्मद बिन तुगलक] ने जब अपनी राजधानी यहाँ स्थानांतरित की तो इसका नाम बदलकर दौलताबाद कर दिया गया।
  - यह स्थल **यादवों, तुगलकों, बहमनी, निजामशाही, मुगलों** और **हैदराबाद के निजामों** से पहले **मराठों** सहित कई राजवंशों की राजधानी रहा है।
  - यह एक [यूनेस्को-नामांकित विरासत स्थल] है जो अपने ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प और पारिस्थितिकी महत्त्व के लिये जाना जाता है।
- **वास्तुकला की उत्कृष्टता:** दौलताबाद किला तीन स्तरों पर **अंबरकोट, महाकोट और कालाकोट** में खाइयों, बुर्जों तथा लोहे के नुकीली दरवाजों से घिरा हुआ है।
- **इसमें अंधेरी नामक एक घातक सुरंग है , जिसका उपयोग आक्रमणकारियों को फंसाने और उन पर हमला करने के लिये किया जाता था।**

- स्मारक एवं संरचनाएँ:
  - **चाँद मीनार (1435 ई.):** कुतुबमीनार के अनुरूप निर्मित इंडो-इस्लामिक शैली का विजय टॉवर।
  - किले के भीतर स्थित **भारत माता मंदिर, कुतुबुद्दीन मुबारक** के शासनकाल (1318 ई.) के दौरान पहले जामा मस्जिद था।
  - **चीनी महल** (एक भव्य महल) को औरंगजेब ने जेल में बदल दिया।
- **तोपखाना और तोपें:** यह किला **लगभग 288 तोपों से सुसज्जित** था इनमें एक उल्लेखनीय तोप **औरंगजेब की मेंढा** थी जिसे **किला शिकन (किला तोड़ने वाला)** भी कहा जाता था, जो सैन्य शक्ति का प्रतीक थी।

और पढ़ें: [जिंजी किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिये नामांकित]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/daulatabad-fort